



प्रमाण 26
(नियम 4क देखिए)

110000
374135
0-2010-20

JUDICIAL



5406 121021

24 वैशालपुर

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

लोक सभा

(सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए

रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र

भाग -क

मैं पीकी देवी **पुत्र/पुत्री/पत्नी राजेश कुमार आयु 28 वर्ष, जो
शक सं. 0- हरिपुर थाना रोसड़ा जिला लखीपुर

(डाक का पूरा

पता लिखें) का/की निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/ करती हूँ :-

(1) मैं बहुजन श्रमिक पार्टी (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा
निर्वाचन से अभ्यर्थी / **एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ।

(*जो लागू न हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम 139 रोसड़ा कं गांव राजेश विहार (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग
सं. 183 के तहत 617 पर प्रतिष्ठ है।

(3) मेरा संपर्क टेलीफोन नं. 99 340 22 323 है/है और मेरा ई-मेल आईडी (यदि कोई हो तो)
शुभ है।

NOTARY PUBLIC
09/04/14
09/04/14
Sinha

(4) स्थाई लेखा संख्यांक (पैन) के बारे और आय कर विवरणी फाइल करने की प्रारिथिता

| क्र.सं. | नाम | पैन | वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है। | आयकर विवरणी में उपरोक्त पैन का स्थिति (स्वयं ग) |
|---------|-------------------------------|------------------|---|---|
| 1 | स्वयं | BLL PD 4655B. | शून्य | शून्य |
| 2 | पति प्र-बुल्लु राजेश कुमार | AGJPR01469 | शून्य | शून्य |
| 3 | आश्रित-1 | शून्य | शून्य | शून्य |
| 4 | आश्रित-2 | शून्य | शून्य | शून्य |
| 5 | आश्रित-3 | शून्य | शून्य | शून्य |

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का अभियुक्त नहीं हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/ किए गए हैं।
यादे अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी -

(i) चिन्निधिखित मामला (पापले) मेरे विरुद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/ किए गए हैं।

| | | |
|-----|---|-------|
| (क) | मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण पता | शून्य |
| (ख) | संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (आरोप) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है | शून्य |
| (ग) | न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख | शून्य |
| (घ) | न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई | शून्य |
| (ङ) | तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे | शून्य |
| (च) | क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोक दी गई है/हैं | शून्य |

NOTAR
MOUSAK...

(7) में मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूँ :

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2- जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं०, रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3- सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4- यहां आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 75 के अधीन स्पष्टीकरण (5) में है।

टिप्पण 5 - रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

| क्रम.सं. | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | आश्रित -1 | आश्रित -2 | आश्रित -3 |
|----------|--|---|---|-----------|-----------|-----------|
| (i) | हाथ में नकदी | 80,000/- | 1,50,000/- | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ii) | बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आनुधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंक फंड, विज्ञान, कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रकार के जमा में रकम | SB1 को/र रु. 425/- रु. 3500/- वेब कोफ करी, पेश (सुगंधखाना) रु. 1000/- | SB1. 6/1/2011 21/11, 425/- रु. 7500/- | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iii) | कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनितों में विनिधान के ब्यौरे और रकम | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iv) | राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखितों में विनिधान और रकम | LI C रु. 1,50,000/- | LTC. 2,00,000/- | शून्य | शून्य | शून्य |
| (v) | किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्याय आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/आगम और ऋणियों से अन्य प्राप्ति तथा रकम | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है/ हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है {पूर्वोक्त मद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न}:-

| | | |
|-----|---|--|
| (क) | न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख | बुधवार मुकाम मुकाम न्याय कोष प्रथम रोड Cr. No 807/2007 1-2-2012 नया 2-1-13 |
| (ख) | उन मामलों के ब्यौरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है। | U/s 323, 504 IPC. U/s 341, 323, 504/31 IPC. |
| (ग) | पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरुद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हों) के ब्यौरे | 2/11/13 |

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अंतर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न, के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/ नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास का दंडादेश दिया गया है/ नहीं दिया गया है:

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा।
निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है :

| | | |
|-----|--|---------|
| (क) | उन मामलों के ब्यौरे, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है | 2/11/13 |
| (ख) | न्यायालय (न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश (आदेशों) की तारीख (तारीखें) | 2/11/13 |
| (ग) | अधिराजित दंड | 2/11/13 |
| (घ) | क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/ है। यदि हाँ/ तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान प्रास्थिति | 2/11/13 |

| | | | | | | |
|--------|---|--------------------------|---|-------|-------|-------|
| (vi) | मोटरयान/वायुयान/याट /पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम) | शून्य | स्कीफिरी BRO/PC 2196 वर्ष 2010 ₹ 9,00,000/- | शून्य | शून्य | शून्य |
| (vii) | जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे) | 1,50,000/- 4,50,000/- | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (viii) | कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ix) | समग्र कुल मूल्य | 6,81,000/- | 12,57,500/- | शून्य | शून्य | शून्य |

आ. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पण 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।
टिप्पण 2 - प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस प्रारूप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

| क्रम.सं. | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | आश्रित -1 | आश्रित -2 | आश्रित -3 |
|----------|---|-------------------|--------------|-----------|-----------|-----------|
| (i) | कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां, सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएं)) | भोजा-पानी 14/2 | भोजा-शेखर | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (एकड़ में कुल माप) | 14/2- | 16/2 15/2- | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वाजित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख | वर्ष 2013 | वर्ष 2002 | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में) | 7,00,000/- | 1,00,000/- | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | 15,00,000/- | 2,00,000/- | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ii) | गैर कृषि भूमि : अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएं) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वाजित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

| | | | | | | |
|-------|--|-----|-----|-----|-----|-----|
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | विकास, सनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| (iii) | वणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितिया) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएँ) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | स्वअर्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | विकास, सनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| (iv) | आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितिया) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएँ) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | स्वअर्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | विकास, सनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |

NOTARY
REGISTRAR (JHARKH)

NOTARY (REG. NO. 100) ...
SIGNED: ...
M. K. ...

| | | | | | | |
|------|--|-------------|------------|-----|-----|-----|
| (v) | अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित) | हां | हां | हां | हां | हां |
| (vi) | पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य | 15,00,000/- | 2,00,000/- | हां | हां | हां |

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ :-

(टिप्पण :- कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यक्ति के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरों का पृथक विवरण दें)

| क्रम.सं. | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | आश्रित -1 | आश्रित -2 | आश्रित -3 |
|----------|--|-------|--------------|-----------|-----------|-----------|
| (i) | बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं) को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति | हां | हां | हां | हां | हां |
| | पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय का ऋण या शोध्य नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति | हां | हां | हां | हां | हां |
| | कोई अन्य दायित्व | हां | हां | हां | हां | हां |
| | दायित्व का कुल योग | हां | हां | हां | हां | हां |
| (ii) | सरकारी शोध्य | | | | | |
| | सरकारी आवास से बरतने वाले विभाग को शोध्य | हां | हां | हां | हां | हां |
| | जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य | हां | हां | हां | हां | हां |
| | विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य | हां | हां | हां | हां | हां |
| | टेलीफोन/मोबाइल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य | हां | हां | हां | हां | हां |
| | सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकाप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य | हां | हां | हां | हां | हां |
| | आय-कर शोध्य | हां | हां | हां | हां | हां |
| | धनकर शोध्य | हां | हां | हां | हां | हां |
| | सेवाकर शोध्य | हां | हां | हां | हां | हां |
| | नगरपालिका/संपत्ति कर शोध्य | हां | हां | हां | हां | हां |
| | विक्रयकर शोध्य | हां | हां | हां | हां | हां |
| | कोई अन्य शोध्य | हां | हां | हां | हां | हां |

| | | | | | | |
|-------|--|-----|-----|-----|-----|-----|
| (iii) | सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| (iv) | क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हां तो अंतर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है का वर्णन करें। | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं राजनिति एवं समाज सेवा

(ख) पति या पत्नी सरकारी सेवा

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार है :-

मास्टर उच्च विद्यालय धरपुर, गिमा-केशवाली वर्ष 1993
 इन्टरमिडियेट इन्टरमिडियेट कॉलेज लालाजी, केशवाली वर्ष 1995

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/ डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/ विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/ महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)

भाग-ख

(11) भाग-क के (1) से (10) तक में दिए गए ब्यौरे का उद्धरण

| | | |
|----|---|---|
| 1. | अभ्यर्थी का नाम | श्री/ श्रीमती/ कुं. पी.के. इवे |
| 2. | अपक का पता | श्रीप्रताप - हरिपुर धाना - रोसहा गिमा - समस्तीपुर |
| 3. | निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य | 24 केशवराज लोकसभा |
| 4. | उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा स्वतंत्र लिखें) | बहुजन मुक्ति पट्टी |
| 5. | (i) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किए गए हैं। | शून्य |
| | (ii) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय (न्यायालयों) ने अज्ञान लिए हैं (ऊपर मद (i) उल्लिखित मामलों से भिन्न) | शून्य |

NO. 100-11-VO
 BUNAWAL TRIBUNAL

42/117/188/00
 11/11/2018

| | | | |
|------------------|---|---|---------------|
| 6. | ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्धदोष उद्घराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया गया है। (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 की उपधारा (1), उपधारा (2) या उपधारा (3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाए) | शून्य | |
| 7. |का स्थायी लेखा सं० | वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है | कुल दर्शित आय |
| (क) अभ्यर्थी | BLIPD 4655 B | शून्य | शून्य |
| (ख) पति या पत्नी | राजेश कुमार AGJBR 6146B | शून्य | शून्य |
| (ग) आश्रित | शून्य | शून्य | शून्य |

| | | | | | | |
|--|--|-------------|--------------|----------|----------|----------|
| 8. आस्तियाँ और दायित्वों के ब्यौरे (रूप में) | | | | | | |
| | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | आश्रित-1 | आश्रित-2 | आश्रित-3 |
| क. | सम्पत्ति आस्तियाँ (कुल मूल्य) | 6,81,000/- | 12,57,500/- | शून्य | शून्य | शून्य |
| ख. | स्थावर आस्तियाँ | | | शून्य | शून्य | शून्य |
| I | स्वअर्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत | 15,00,000/- | 2,00,000/- | शून्य | शून्य | शून्य |
| II | क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| III | निम्नलिखित की अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | (क) स्वअर्जित आस्तियाँ (कुल मूल्य) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | (ख) विरासती आस्तियाँ (कुल मूल्य) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| 9. | दायित्व | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (i) | सरकारी ऋण (कुल) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

NOTARIAL (MUMBAI)
REGISTRATION (MUMBAI)

Serial No. 100/2018
Date: 11/11/2018

| | | | | | | | |
|-----|------|--|-----|-----|-----|-----|-----|
| | (ii) | बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| 10. | | ऐसे दायित्व जो विवादाधीन हैं | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | (i) | सरकारी शोध (कुल) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |
| | (ii) | बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ |

11. उच्चतम शैक्षिक अर्हता :
 इन्टरमिडियेट अल्प विधारी कॉलेज, मालांगी, वर्ष 1995
 वैशाली

(प्रमाण पत्र / डिप्लोमा / डिग्री के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय / विश्वविद्यालय / शिक्षा विद्यालय / महाविद्यालय / विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।)

सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथपत्र की विषय-वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूँ कि :-

(क) मेरे विरुद्ध ऊपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है :

(ख) मेरी पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास ऊपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 09/04/2014 को सत्यापित किया गया।

NOTARY
 ARGUSARAI (INDIA)

Bechari
 09/04/14
 ADVOCATE

पिकिपि

पिकिपि
 अभिसाक्षी

टिप्पण-

1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को 3:00 बजे अपराहन तक फाइल किया जाना चाहिए।

टिप्पण-

2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण-

3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़े, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थित "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण-

4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्यरूप से साफ-साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण-

5. माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 13.09.2013 को WP(C) संख्या 121-2008 में रिसर्जेंस इंडिया बनाम भारत निर्वाचन आयोग एवं अन्य, के मामले में अभ्यर्थियों द्वारा अपूर्ण शपथ-पत्र दाखिल किये जाने के संबंध में दिए गये न्याय निर्णय के आलोक में अभ्यर्थी द्वारा शपथ पत्र के सभी स्तंभों को भरा जाना है। कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जा सकता है। शपथ पत्र प्रस्तुत किये जाते समय निर्वाची, पदाधिकारी द्वारा यह जाँच कर लिया जाना है कि नाम निर्देशन पत्र के साथ दाखिल किये गये शपथ पत्र के सभी स्तंभ भर लिए गये हैं, अगर ऐसा नहीं किया गया है तो निर्वाची पदाधिकारी, अभ्यर्थी को खाली स्तंभों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने हेतु स्मार देंगे। माननीय न्यायालय का न्याय निर्णय है कि अगर किसी मद में उपलब्ध कराये जाने हेतु कोई जानकारी नहीं है तो "शून्य" या "लागू नहीं" या "जात नहीं" जो उपयुक्त हो, ऐसे स्तंभ में दर्ज किये जायेंगे। उनके द्वारा कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जाना है। यदि अभ्यर्थी स्मार दिये जाने के बाद भी स्तंभों को भरे जाने में असफल होता है तो नाम निर्देशन पत्र की संवीक्षा के समय नाम निर्देशन पत्र, निर्वाची पदाधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिये जायेंगे।

टिप्पण-

6. शपथ पत्र के पारा 3 में जानकारी निम्नलिखित रूप में उपलब्ध करायी जायेगी।

"मेरा दूरभाष सम्पर्क संख्या/संख्यायें हैं/हैं..... 9934022323

मेरा ई-मेल आई० डी० (अगर कोई हो) है.....

एवं मेरा सोशल मीडिया एकाउंट्स (अगर कोई हो) है.....

टिप्पण-

7. शपथ पत्र के पारा 8 में वित्तीय संस्थानों के प्रति दायित्वों में विदेशी बैंकों/संस्थाओं में जमा/निवेश सहित सूचना दें।

NOTARY
BEGUSARA (BIHAR)

Registered Under 297(1)(c) of C.A.

Section 11(a) of Notaries Act 1956

Act 139 of C.F.C. 1903

515

09 APR 2014

Notary Public, Bihar

Bihar